Title: Demand to take up the matter of payment of salaries to the teachers of Bihar agitating since last fifteen years.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, बिहार के वित्त रहित शिक्षक संगठनों के कई शिक्षक जिसमें बिहार राज्य सम्बद्ध डिग्री महासंघ, बिहार राज्य इंटरमीडिएट शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ, बिहार प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ, बिहार प्रदेश संस्कृति शिक्षक संघ, बिहार राज्य अराजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ आदि कई संगठनों के वित्त रहित कर्मचारी आज दिल्ली में जन्तर मन्तर रोड पर प्रदर्शन एवं धरने पर बैठे हुए हैं। करीब 15 से 20 वर्षों से ये शिक्षक एवं कर्मचारी निजी प्राइवेट स्कूलों में काम कर रहे हैं। इन्हें बिहार सरकार द्वारा एफीलिएशन दे दिया गया है। लेकिन उन्हें एक पैसे का भी भुगतान नहीं होता है। यहां रघुवंश बाबू बैठे हुए हैं, इस संबंध में वर्ा 1991 में उन्हीं की अध्यक्षता में बिहार में एक कमेटी बनी थी, इन्होंने अनुशंसा भी की, लेकिन उसे लागू नहीं किया गया। इसके बाद पुन: वर्ा 1997 में बिहार के सिंचाई मंत्री की अध्यक्षता में एक कमेटी बनी, उन्होने कोई अनुशंसा नहीं दी। चुनाव हुआ उसके बाद से पुन: एक कमेटी बनी हुई है, जो कुछ काम नहीं कर रही है। बिहार में दो लाख कर्मचारी अभी भी बिना वेतन के काम कर रहे हैं। हमारा आपसे निवेदन है, हम यह जानते हैं कि यह मामला राज्य से संबंधित हैं। लेकिन देश के केन्द्रीय शिक्षा मंत्री जी अगर चाहें तो इसमें पहल करके कोई न कोई कार्रवाई कर सकते हैं।

हम आपसे निवेदन करेंगे कि सरकार इस सूचना को ग्रहण करे और अपने स्तर पर इस पर कार्रवाई करे। दो लाख शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी बिना वेतन के 15 वर्षों से बिहार के इन शिक्षा संस्थानों में काम कर रहे हैं। हम निवेदन करेंगे कि सरकार इस सूचना को ग्रहण करे। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Shri Devendra Prasad Yadav and Shri Nawal Kishore Rai can associate themselves with what Shri Prabhunath Singh has said.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : माननीय प्रभुनाथ सिंह जी ने जो वेतन रहित शिक्षकों का सवाल उठाया है, मैं उससे अपने को संबद्ध करता हूं और चाहता हूं कि सरकार इस सूचना को ग्रहण करे और इस पर रेस्पॉन्ड करे। यह लाखों कर्मचारियों के भविय का सवाल है। â€¦(व्यवधान)

श्री नवल किशोर राय (सीतामढ़ी) : अध्यक्ष महोदय, मैं भी अपने को इससे संबद्ध करता हूं और सरकार से मांग करता हूं कि सरकार इस सूचना को ग्रहण करे। â€¦(व्यवधान)

श्रीमती कान्ति सिंह (बिक्रमगंज) : मैं भी अपने को इससे संबद्ध करती हूं।

MR. SPEAKER : Is there anything from the Government?

SHRI PRAMOD MAHAJAN: No, Sir.